बागवानी पर अत्यधिक लाभ देने की वजह से लाभ मिला है और उत्पादन तथा निर्यात में वृद्धि हुई है। व्यापक क्षेत्र में उन्नत कल्टीवरों का प्रयोग हुआ, गुणवत्ता वाली रोपण सामग्री के उत्पादन से बीज की मात्रा में वृद्धि हुई, बहुत बड़ी संख्या में किसानों को प्रशिक्षित किया गया तथा ड्रिप सिंचाई, ग्रीन हाउस खेती जैसी नई प्रौद्योगिकियों को प्रोत्साहित किया गया। इसके फलस्वरूप, फलों सब्जियों और फूलों की उत्पादकता में वृद्धि हुई। स्पष्टतया, फलों और सब्जियों के उत्पादन में 50% से अधिक की वृद्धि 1991-92 से 1999-2000 के बीज दर्ज की गई है।

बागवानी उत्पादों के निर्यात की मात्रा और मूल्य पर भी बागवानी उत्पाद के उत्पादन में वृद्धि का प्रभाव पड़ा है। मसालों, काजू तथा पुष्प कृषि उत्पाद के लिये इस अवधि के दौरान निर्यात में अत्यधिक वृद्धि हुई है। तथापि, ताजे फलों और सब्जियों के निर्यात में वृद्धि सराहनीय नहीं थी, हालांकि संसाधित फलों और सब्जियों की मात्रा में पर्याप्त वृद्धि हुई है।